

होली बाबा से खेलयावांगा रूणिचा चालो



होली बाबा से खेलयावांगा,
रूणिचा चालो,
रूणिचा नगरी रे,
बाबा की नगरी,
होली बाबा से खेलयावांगा,
रूणिचा चालो।bd।

फागण में म्हारो रामधनी,
रंग रंगीलो दिखे,
दूर दूर से आव जातरी,
रंग गुलाल उड़ावे,
की मेलो बाबा को देखयावांगा,
रूणिचे चालो,
होली बाबा से खेलयावांगा,
रूणिचा चालो।bd।

बाबा के दरबार माही ने रंग,
हबीब उडास्या,
सूरत देखी रामधनी की,
चन्दन खूब लगास्या,
की आपा बाबा से मिलावांगा,
रूणिचे चालो,
होली बाबा से खेलयावांगा,
रूणिचा चालो।bd।

झांझ मजीरा चंग बजास्या,
झूम झूम कर नाचा,
रामधनी के रंग रंगोड्या,
भगत सदा ही साँचा,
की आपा बाबा न मनावांगा,
रूणिचे चालो,
होली बाबा से खेलयावांगा,
रूणिचा चालो।bd।



लीले रो असवार रामदेव,
पर्चा खूब दिखावे,
भगता माही भीड़ पड़े तो,
लीले चढ़ न आवे,
लीले वाले न रिझावांगा,
रुणिचे चालो,
होली बाबा से खेल्यावांगा,
रुणिचा चालो।bd।

अन धन का भंडार भरया है,
दोनों हाथ लुटावे,
मन चाया वरदान मिले है,
जो कोई आस लगावे,
की डोरी प्रीत की बंध्यावांगा,
रुणिचे चालो,
होली बाबा से खेल्यावांगा,
रुणिचा चालो।bd।

सांचा पर्चा देवन वालों,
अजमल जी को लालो,
दास गोपालो भजन सुनावे,
रुणिचा में चालो,
की जम्मो जागन लगावँगा,
रुणिचे चालो,
होली बाबा से खेल्यावांगा,
रुणिचा चालो।bd।

होली बाबा से खेलयावांगा,
रुणिचा चालो,
रुणिचा नगरी रे,
बाबा की नगरी,
होली बाबा से खेल्यावांगा,
रुणिचा चालो।bd।

गायक – गोपाल सोनी ।
9982095020
